ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, गुरूवार 22 जनवरी 2026

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 2 अंक 258

शंकराचार्य विवाद भड़क उठा: प्रशासन ने अविमुक्तेश्वरानंद को भेजा दूसरा नोटिस, डिप्टी सीएम ने भेजा प्रणाम



24 न्यूज अपडेट

प्रयागराज। माघ मेले में अविमुक्तेश्वरानंद और प्रशासन के बीच टकराव बढ़ता जा रहा है। 48 घंटे के भीतर प्रशासन ने शंकराचार्य को दूसरा नोटिस जारी किया है। इसमें मौनी अमावस्या के दिन बैरियर तोड़ने और भीड़ में बग्घी घुसाने की घटनाओं पर सवाल उठाए गए हैं। नोटिस में कहा गया है कि अगर 24 घंटे के भीतर संतोषजनक जवाब नहीं मिला, तो माघ मेले से उन्हें स्थायी रूप से बैन कर दिया जाएगा और संस्था को दी गई जमीन व सुविधाएं वापस ले ली जाएंगी। अविमुक्तेश्वरानंद के मीडिया प्रभारी शैलेंद्र योगिराज ने बताया कि प्रशासन ने बुधवार शाम शिविर के पीछे नोटिस चस्पा किया, जिस पर 18 जनवरी की तारीख थी। इसके जवाब में शंकराचार्य ने गुरुवार सुबह 3 पेज में जवाब मेला ऑफिस को भेजा। शंकराचार्य ने कहा कि "प्रशासन नोटिस-नोटिस खेल रहा है। अभी मेरा मौनी अमावस्या का स्नान नहीं हुआ है, तो मैं बसंत का स्नान कैसे करूंगा? पहले मौनी अमावस्या का स्नान करूंगा, तभी दूसरा स्नान करूंगा।"

सीएम योगी ने बिना नाम लिए जताई नाराजगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि किसी को परंपरा बाधित करने का हक नहीं है। उन्होंने चेताया कि धर्म की आड़ में सनातन धर्म कमजोर करने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि संन्यासी के लिए धर्म और राष्ट्र से बढ़कर कुछ नहीं होता। योगी ने कालनेमि का जिक्र करते हुए बताया कि यह वही पात्र है जो रामायण में लक्ष्मण की मूर्छा पर हनुमान को रोकने के लिए भेजा गया था। अंत में हनुमान ने कालनेमि का वध कर दिया था।

डिप्टी सीएम केशव मौर्य का संदेश

आजमगढ़ पहुंचे यूपी के डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने कहा, "मैं ज्योतिष्पीठाधीश्वर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के चरणों में प्रणाम करता हूं। उनसे प्रार्थना है कि वह स्नान कर इस विवाद का समापन करें।"

मौनी अमावस्या का विवाद

18 जनवरी को मौनी अमावस्या पर अविमुक्तेश्वरानंद पालकी में स्नान करने जा रहे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोककर पैदल जाने को कहा। विरोध करने पर शिष्यों और पुलिस में धक्का-मुक्की हुई। नाराज शंकराचार्य धरने पर बैठ गए थे।

माघ मेले में प्रमुख प्रतिक्रियाएं

सपा अध्यक्ष श्यामलाल पाल: "भाजपा नफरत पैदा कर रही है। गंगा में स्नान रोकने का कोई अधिकार किसी को नहीं है। संविधान में समता और भाईचारे की पूरी व्यवस्था है।" कथावाचक देवकी नंदन ठाकुर: "धर्मसंकट में हूं। इस विवाद को जितनी जल्दी समाप्त किया जाए, उतना बेहतर।" बाबा रामदेव: "यह महा स्नान है, दिव्य स्मरण का पुण्य। शंकराचार्य से सवाल पर कोई जवाब नहीं।"

शिविर में सन्नाटा, शिष्यों में बेचैनी

शंकराचार्य पाँच दिनों से अपने शिविर में नहीं गए। जहां कभी सत्संग और कथा होती थी, वहां आज सन्नाटा पसरा हुआ है, और शिष्यों में बेचैनी है।

फ्लाइट्स कैंसिल होने से इंडिगो का मुनाफा 78% घटा:अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 550 करोड़ रहा, दिसंबर में 2,507 फ्लाइट्स कैंसिल हुई थीं



24 न्यूज अपडेट

दिसंबर में पायलटों की कमी और 2500 से ज्यादा फ्लाइट्स कैंसिल होने से इंडिगो का मुनाफा 78% कम हो गया है। इंडिगो की पैरेंट कंपनी इंटरग्लोब एविएशन को वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में सिर्फ 550 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा (नेट प्रॉफिट) हुआ है। पिछले साल की समान तिमाही में यह 2,448 करोड़ रुपए रहा था।

अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में इंडिगो का ऑपरेशन से रेवेन्यू सालाना आधार पर 6.2% बढ़कर 23,471 करोड़ रुपए रहा। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 22,110 करोड़ रुपए रहा था। इंडिगो ने आज गुरुवार (22 जनवरी) को अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के नतीजे जारी किए हैं।

कंपनी ने बताया कि फ्लाइट्स कैंसिल होने और नए लेबर कोड्स से उसे 1,546.5 करोड़ का अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ा। अगर इसे अलग कर दिया जाए तो कंपनी का मुनाफा करीब 2,096.3 करोड़ रहता। हालांकि, यह तब भी पिछले साल के मुकाबले 14% कम होता।

राजसमंद में ट्रक ड्राइवर और ग्रामीणों ने कार सवार युवक की पीट-पीटकर हत्या की



24 न्यूज अपडेट

राजसमंद। रेलमगरा थाना क्षेत्र के चौकड़ी गांव में गुरुवार दोपहर लगभग तीन बजे एक कार सवार युवक की बर्बर पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। घटना में दो दोस्तों में से एक घायल हुआ, जबकि दूसरा जान बचाकर भाग गया। जानकारी के अनुसार, मृतक महेंद्र कुमार भील (30) अपने दोस्त पवन सिंह और एक अन्य साथी के साथ कार में मौजूद था। इसी दौरान चौकड़ी गांव में ट्रक ड्राइवर से विवाद हो गया। विवाद इतनी तेजी से बढ़ा कि ड्राइवर और आसपास के कुछ ग्रामीणों ने मिलकर युवकों पर हमला कर दिया। कार में बैठे युवकों के साथ जमकर मारपीट हुई और कार के शीशे तोड़ दिए गए। महेंद्र कुमार की इतनी भयंकर मारपीट हुई कि मौके पर ही उसकी मौत हो गई। पवन सिंह को गंभीर चोटें आईं और उसे रेलमगरा हॉस्पिटल लाया गया, जहां से उसे राजसमंद आरके हॉस्पिटल में रेफर किया गया। तीसरा दोस्त जान बचाकर घटनास्थल से भाग निकला।

ट्रक ड्राइवर और ग्रामीणों के खिलाफ कार्रवाई

एसपी ममता गुप्ता ने घटना की गंभीरता को देखते हुए तुरंत मौके पर पहुंचकर स्थिति पर काबू पाया। थाना इंचार्ज प्रवीण सिंह ने बताया कि पुलिस ने कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि विवाद का कारण अभी स्पष्ट नहीं है और जांच जारी है।

घटना का माहौल

घटना के बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। कार और उसके आसपास की स्थिति तनावपूर्ण रही। पुलिस ने लोगों को समझाइश देकर मौका शांत कराया। स्थानीय लोगों के अनुसार, ट्रक ड्राइवर और कार सवार युवकों के बीच यह विवाद अचानक भड़क गया, जिससे गांव के अन्य लोग भी इसमें शामिल हो गए।

जांच में जुटी पुलिस

मृतक और घायल की पहचान कर ली गई है। पुलिस कार के अंदर और आसपास से साक्ष्य जुटा रही है। घटना में शामिल ट्रक ड्राइवर और ग्रामीणों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। थाना प्रशासन ने कहा कि मामले की पूरी जांच कर न्याय सुनिश्चित किया जाएगा और दोषियों को सख्त सजा दिलाई जाएगी।

सेंसेक्स 398 अंक चढ़कर 82,307 पर बंद:निफ्टी में 132 अंक की तेजी; ऑटो और बैंकिंग सेक्टर में खरीदारी



24 न्यूज अपडेट

शेयर बाजार में आज यानी 22 जनवरी (गुरुवार) को तेजी रही। सेंसेक्स सेंसेक्स 398 अंक चढ़कर 82,307 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 132 अंक की तेजी रही। ये 25,290 के स्तर के पर बंद हुआ है। सेंसेक्स के 30 शेयर्स में 24 में तेजी और 6 में गिरावट रही। निफ्टी के बैंकिंग ऑटो, मीडिया और मेटल सेक्टर में ज्यादा तेजी रही।

सुबह के सत्र में ग्लोबल मार्केट से मिले अच्छे संकेतों के चलते बाजार बढ़त के साथ खुला था। एक समय सेंसेक्स 82,783 के दिन के हाई पर पहुंच गया था, लेकिन दोपहर होते-होते बैंकिंग और आईटी शेयरों में बिकवाली शुरू हो गई। निफ्टी भी 25,435 का डे हाई छूने के बाद वापस 25,250 के करीब आ गया।

UP-राजस्थान, हरियाणा के 27 जिलों में बारिश का अलर्ट:60KMPH की रफ्तार से हवा चलेगी; उत्तराखंड के चमोली में झरना जमा; हिमाचल में बर्फबारी



24 न्यूज अपडेट

देश के पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी के बाद अब बारिश-ओलावृष्टि का दौर शुरू होने की चेतावनी है। आज से राजस्थान, हिमाचल और पंजाब-हरियाणा में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव हो रहा है।

यूपी के 15, राजस्थान और हरियाणा के 6-6 जिलों में बारिश हो सकती है। इस दौरान 60KMPH की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। कुछ जगहों पर ओले गिरने की चेतावनी भी जारी की गई है।

हिमाचल प्रदेश के चंबा, कुल्लू और लाहौल-स्पीति में आज बर्फबारी का ऑरेंज अलर्ट है। यहां भी 22 से 24 जनवरी तक तेज बारिश और ओलावृष्टि की आशंका जताई गई है।

उत्तराखंड के 5 जिलों में आज और कल बर्फबारी का अलर्ट है। फिलहाल यहां पारा माइनस में चल रहा है। चमोली के वाण गांव में झरना जमा हुआ दिखाई दिया।

मौसम विभाग के मुताबिक पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में अगले 7 दिनों में लगातार दो पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव हो सकते हैं। इससे 9 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मौसम और बिगड़ सकता है।

पश्चिमी विक्षोभ या वेस्टर्न डिस्टर्बेंस, पश्चिम से आने वाली हवा और बादलों का एक सिस्टम होता है। इसके एक्टिव होने से पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी, मैदानी क्षेत्रों में बारिश होगी। तापमान में गिरावट आएगी, साथ ही पाला पड़ने और कोल्डवेव के हालात बन सकते हैं।

पेरीफेरी पट्टा आंदोलन: यूडीए ने आबादी भूमि हस्तांतरण की तैयारी पूरी, 5 फरवरी तक पहली सूची जारी करने का लक्ष्य



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। यूडीए पेरीफेरी में पट्टों की मांग पर जारी पेरीफेरी पंचायत जिला संघर्ष समिति के आंदोलन का असर दिखने लगा है। पेरीफेरी पंचायतों और निगम में शामिल हुए गांवों में आबादी/बसावट वाली भूमि हस्तांतरण की पहली सूची जारी करने के लिए यूडीए ने पूरी तैयारी कर ली है। गुरुवार को यूडीए कमिश्नर राहुल जैन के साथ संघर्ष समिति और समाज के पदाधिकारियों की बैठक हुई। बैठक में कमिश्नर ने कहा कि यूडीए की टीम आबादी भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया के लिए पूरी तरह तैयार है। नए शामिल हुए पेरीफेरी गांवों में भी आबादी भूमि संबंधित पंचायतों को देने के निर्देश तहसीलदार और एसडीएम को जारी किए जा चुके हैं।

चरणबद्ध तरीके से पेरीफेरी गांवों और निगम में शामिल गांवों में 5 फरवरी तक पहली सूची जारी करने का लक्ष्य रखा गया है। समिति संयोजक चंदन सिंह देवड़ा ने बताया कि बैठक पूरी तरह सकारात्मक रही और प्रशासन अपने वादों के अनुसार काम कर रहा है। इससे 205 गांवों की लगभग 2 लाख आबादी और 50 हजार परिवारों को पट्टे की अधूरी आस पूरी हो सकेगी। बैठक में संघर्ष समिति के प्रतिनिधियों में मोहन लाल डांगी, देवकिशन सुथार, लोकेश पालीवाल, ईश्वरलाल, हेमराज गुर्जर, प्रकाश प्रजापत, मांगीलाल, गजेन्द्र सिंह, धर्मचंद मीना, रवि कुमार, नारायण गमेती, किशन कालबेलिया और किशन मेघवाल शामिल थे।

कई अहम मुद्दों पर चर्चा

बैठक में समिति ने दोहराया कि वह खाली जमीन या नए अतिक्रमण के पक्ष में नहीं है। उनका जोर सालों से बसे लोगों को पट्टे दिलाने पर है। इसके अलावा चर्चा में शामिल थे:

चरागाह पर बसे पुराने गांवों को राहत देने के उपाय

गैर-खातेदारी में बने मकानों के पट्टे, सामुदायिक विकास के लिए गोशाला, खेल मैदान, पार्क निर्माण, मरघट/रिज़र्व लैंड पर पट्टों का प्रावधान, संयोजक देवड़ा ने कहा कि समिति तय समय में हर व्यक्ति को उसका मकान का पट्टा दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है और तब तक आंदोलन जारी रहेगा। यूडीए सचिव हेमेंद्र नागर ने कहा कि यूडीए अवैध अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई जारी रखेगा, लेकिन सालों से बसे लोगों को परेशान नहीं किया जाएगा।

नियमों की शिथिलता पर सरकार को पत्र

निगम आयुक्त अभिषेक खन्ना ने 69ए के तहत पट्टे जारी करने को लेकर संघर्ष समिति द्वारा मांगी गई शिथिलता के संदर्भ में सरकार को पत्र भेजा है। उल्लेखनीय है कि निगम 2018 तक, यूडीए 2013 तक और पंचायतें 2016 तक पट्टे जारी कर चुकी हैं। वर्तमान में निगम 1992 के नियम के तहत कार्य कर रहा है, जिससे विरोधाभास उत्पन्न हुआ है। सरकार को तय करना है कि कट-ऑफ डेट क्या रखनी है।

आज चांदी 19,386 और सोना 3,099 सस्ता हुआ:एक किलो चांदी घटकर 3 लाख पर आई, सोना 1.51 लाख/10G बिका



24 न्यूज अपडेट

चांदी की कीमतों में आज यानी, गुरुवार 22 जनवरी को गिरावट है। इंडियन बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, चांदी 5% या करीब 19 हजार प्रति किलो गिर गई।

चांदी सुबह 3,03,584 रुपए पर खुली और 2,99,711 रुपए पर बंद हुई। कल ये 3,19,097 लाख रुपए पर बंद हुई थी और कारोबार के दौरान इसने 3,20,075 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

सोना भी 3,099 रुपए गिरकर 1,51,128 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। एक दिन पहले सोने ने 1,55,204 रुपए का हाई बनाया था। फिर 1,54,277 रुपए पर बंद हुआ।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -
desk24newsupdate@gmail.com

संपादकीय : पर्यावरण की परवाह

देश में अवैध और अवैज्ञानिक तरीके से खनन तथा इसके पर्यावरण पारिस्थितिकी पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर अक्सर सवाल उठते रहे हैं ये तर्क सही हो सकते हैं कि खनन गतिविधियां विकास प्रक्रिया का हिस्सा हैं, लेकिन क्या पर्यावरण की कीमत पर विकास की राह तलाशना उचित है? पिछले कुछ दिनों से चर्चा में रहे अरावली पर्वत श्रृंखला के मसले को लेकर यह बहस जोर पकड़ रही है कि अगर कोई प्राकृतिक संरचना किसी क्षेत्र के लिए जीवन- धारा और सुरक्षा दीवार के रूप में खड़ी है, तो क्या उसका संरक्षण जरूरी नहीं है! हाल के वर्षों में अरावली क्षेत्र में खनन गतिविधियां बढ़ी हैं और इससे होने वाले नुकसान को लेकर उठी आवाज की अनदेखी हुई है। यही वजह है कि बुधवार को सर्वोच्च न्यायालय ने भी स्पष्ट किया कि अरावली में खनन और इससे संबंधित मुद्दों की व्यापक एवं समग्र जांच जरूरी है तथा इसके लिए विशेषज्ञों की एक समिति गठित की जाएगी। साथ ही इस बात पर जोर दिया कि अरावली क्षेत्र में अवैध खनन से पर्यावरण को अपूरणीय क्षति हो सकती है। गौरतलब है कि पिछले दिनों सर्वोच्च न्यायालय ने यह व्यवस्था दी थी कि आसपास की जमीन से कम से कम सौ मीटर ऊंचे हिस्से को ही अरावली पहाड़ी के तौर पर माना जाएगा। अदालत की इस नई परिभाषा के बाद यह आशंका पैदा हो गई थी कि अगर सौ मीटर से कम ऊंचाई वाली पहाड़ियों पर खनन, निर्माण और व्यावसायिक गतिविधियों के रास्ते खुलेंगे, तो इसके बाद समूचे इलाके के पारिस्थितिकी तंत्र पर गंभीर पर्यावरणीय प्रभाव पड़ सकते हैं। क्योंकि, पहाड़ियों के बीच पांच सौ मीटर की दूरी के मानक से अरावली का बड़ा हिस्सा पर्यावरण संरक्षण से बाहर हो सकता था। हालांकि, बाद में शीर्ष अदालत ने अपने इस फैसले को स्थगित करते हुए कहा था कि इस मामले में कुछ गंभीर अस्पष्टताओं का समाधान जरूरी है। अब न्यायालय ने सरकार को चार सप्ताह के भीतर खनन क्षेत्र के विशेषज्ञ और वैज्ञानिकों के नाम सुझाने का निर्देश दिया है, ताकि विभिन्न पहलुओं की जांच के लिए विशेषज्ञ समिति का गठन किया जा सके। मगर यह पहलू भी महत्त्वपूर्ण है कि विशेषज्ञों की समिति बिना किसी दबाव और निष्पक्षता से अध्ययन कर अपने सुझाव सामने रखे। इस चिंता को दूर करने के लिए शीर्ष अदालत ने स्पष्ट कहा है कि यह समिति उसके निर्देशन और निगरानी में कार्य करेगी। दरअसल, राजस्थान, हरियाणा और गुजरात से लेकर दिल्ली तक के सैकड़ों किलोमीटर इलाके में फैली अरावली पर्वत श्रृंखला को उत्तर भारत में पर्यावरण को संतुलित रखने की लिहाज से एक प्राकृतिक दीवार के रूप में देखा जाता है। मगर पिछले कुछ वर्षों से अरावली क्षेत्र में जिस तरह पत्थर, रेत और अन्य संसाधनों की पूर्ति के लिए खनन गतिविधियां बढ़ी हैं, उससे इलाके के पर्यावरण पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि अरावली के आसपास के क्षेत्र में भूजल स्तर को सामान्य बनाए रखने, रेगिस्तान बनने से रोकने और लोगों की आजीविका बचाने के लिए इसका संरक्षण जरूरी है इसे न केवल पर्यावरणीय, बल्कि भूगर्भीय और जलवायु संबंधी महत्त्व की दृष्टि से भी देखने और मूल्यांकन करने की जरूरत है। अगर अरावली की पहाड़ियों में अवैध और अवैज्ञानिक तरीके से खनन पर रोक नहीं लगाई गई, तो निश्चित रूप से निकट भविष्य में इसके गंभीर परिणाम सामने आ सकते हैं।

व्यवस्था पर सवाल

बेहतर स्वास्थ्य के लिए उपचार की किफायती और सुलभ सुविधाएं मनुष्य की बुनियादी जरूरत है। इनमें चिकित्सक की उपलब्धता, समय पर सस्ते दामों में दवाएं मुहैया कराना और आपातकालीन देखभाल शामिल हैं, ताकि लोगों का जीवन सुरक्षित रहे। अगर व्यवस्था में इन जरूरी सुविधाओं का अभाव हो, तो विकास के दावों का कोई औचित्य नहीं रह जाता है। देश की राजधानी दिल्ली की एक ऐसी ही तस्वीर सामने आई है। दिल्ली सरकार की जन्म और मृत्यु पंजीकरण पर वार्षिक रपट के मुताबिक, वर्ष 2024 में राष्ट्रीय राजधानी में एक लाख उनचालीस हजार से अधिक लोगों की मौत हुई, जिनमें से 34.84 फीसद लोगों की मौत घर पर ही हुई। सवाल है कि आज के दौर में जब लोग मामूली तकलीफ होने पर भी अस्पताल और स्वास्थ्य केंद्रों का रुख करते हैं, तो ऐसी क्या वजह है कि इतनी बड़ी संख्या में मौत घर पर ही हो जाती है? जाहिर है, इसके पीछे स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव और आपात स्थिति में चिकित्सा सहायता समय पर न मिलना भी एक बड़ा कारण हो सकता है। इस बात पर गौर करना जरूरी है कि आने वाले दिनों में भारत के दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बन जाने के दावों के बीच अगर चिकित्सा सहायता न मिलने से लोगों की जान जा है, तो यह पूरी व्यवस्था पर सवाल है। हैरत की बात है कि आधुनिक चिकित्सा सेवाओं का दम भरने वाली दिल्ली के लोग स्वास्थ्य को लेकर आपात परिस्थिति में खुद को असहाय महसूस करते हैं। यह अक्सर देखने में आता है कि अगर कहीं सड़क पर दुर्घटना हो जाए या फिर घर पर किसी व्यक्ति की तबीयत ज्यादा बिगड़ जाए, तो एंबुलेंस समय पर नहीं पहुंच पाती है। प्राथमिक उपचार के इंतजार में कई बार मरीज की जान चली जाती है। ऐसी खबरें भी आती रहती हैं कि किसी मरीज को अस्पताल में बिस्तर खाली नहीं होने की वजह से भर्ती नहीं किया गया, घर वापस आने पर उसकी मौत हो गई। हालांकि, कुछ मामलों में लोगों में जागरूकता की कमी भी एक कारण हो सकता है, लेकिन स्वास्थ्य सेवाओं में बरती जाने वाली लापरवाही के लिए संबंधित कर्मियों और अधिकारियों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

कार के शीशे तोड़कर 3 आरोपी तालाब से भाग जाएंगे, मगर कसम कानून की खाते हैं, चेहरा नहीं दिखाएंगे!!!



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। कोई उपर से बहुत बड़ा आदेश आया बता रहे हैं। आज जो पुलिस की ओर से प्रेसनोट जारी हुए हैं उसमें आरोपियों के फोटो जारी नहीं किए गए हैं। कानून के आभामंडल में शुरू हुई यह नई पुलिसिया परम्परा भी अब पब्लिक में आलोचना का विषय बनती नजर आ रही है। किनके चहरे दिखाए जाएं व किनके नहीं, इसके बीच की महीन बारीक लक्ष्मण रेखा को खिंचने की जरूरत महसूस की जा रही है। गाड़ियों के कांच तोड़ कर सरेआम तालाब में कूद जाने वाले और पूरे दिन सिविल डिफेंस टीम को पचाने वाले अगर कुछ दिन पहले पकड़े जाते तो शायद अपने पैरों पर भी खड़े न हो पाते। मगर दौर नया है, बातें नई है, आज हम ए आई से बनाए फोटो के जरिये सांकेतिक रूप से अपराधियों के मुंह काले करते हुए आपके समक्ष खबर प्रस्तुत कर रहे हैं। जिला पुलिस अधीक्षक उदयपुर श्री योगेश गोयल के निर्देशानुसार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) श्री गोपाल स्वरूप मेवाड़ा एवं वृत्ताधिकारी वृत्त गिर्वा श्री गोपाल चंदेल के सुपरविजन में पुलिस थाना गोवर्धनविलास द्वारा बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया गया है। थाना प्रभारी श्री अर्जुन लाल (उप निरीक्षक) के नेतृत्व में गठित टीम ने कार के शीशे तोड़कर चोरी का प्रयास करने वाले तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त कार को जब्त किया है। पुलिस ने प्रकरण संख्या 33/26 अंतर्गत धारा 125(1), 324(4), 303(2), 62 बीएनएस में कार्रवाई करते हुए दिनांक 21 जनवरी 2026 की रात्रि को जोगी तालाब क्षेत्र में वारदात को अंजाम देने वाले आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्तों में ईश्वर सिंह पुत्र रतन सिंह, निवासी जावद फला, लखमावत, थाना सलूम्बर, जिला सलूम्बर, महेंद्र सिंह पुत्र नाथू सिंह, निवासी सल्लाडा फला, अम्बावतपुरा, थाना सराड़ा, जिला सलूम्बर, संदीप कुमार पुत्र भेरू सिंह, निवासी नाटास, थाना गुढ़ागोड़जी, जिला झुंझुनूं शामिल हैं।

घटना का पूरा विवरण

प्रार्थी श्री लक्ष्मण राम पुत्र कमलाशंकर, निवासी जोगी तालाब, थाना गोवर्धनविलास ने रिपोर्ट दर्ज करवाई कि दिनांक 21.01.2026 की रात्रि लगभग 3.30 बजे उनके घर के बाहर सड़क पर बार-बार तेज गति से वाहन चलने की आवाज आई। उन्होंने व उनकी पत्नी ने छत पर जाकर देखा तो एक सिल्वर रंग की कार में सवार बदमाश आसपास 8–9 चक्कर लगाकर बाहर खड़ी कार का लॉक तोड़ने का प्रयास कर रहे थे। सायरन बजने पर आसपास के लोग जाग गए। इसी दौरान आरोपियों ने कार के अंदर से बीयर की बोतलें व पत्थर फेंककर प्रार्थी के मकान पर हमला कर दिया और बाहर खड़ी कार के शीशे तोड़ दिए। सूचना पर पुलिस वाहन मौके पर पहुंचा, लेकिन आरोपी पुलिस को देखकर मौके से फरार हो गए। इस संबंध में थाना गोवर्धनविलास में प्रकरण दर्ज किया गया।

पुलिस का पीछा, तालाब में कूदे आरोपी

घटना के बाद पुलिस ने संदिग्ध वाहन का पीछा किया। आरोपी जोगी तालाब से हाईवे होते हुए प्रतापनगर की ओर भागे। इस दौरान उनकी कार का टायर फूट गया, जिससे उन्होंने वाहन को सविना थाना सर्कल क्षेत्र स्थित रूंडेला तालाब के पास खड़ा कर दिया और पुलिस से बचने के लिए तीनों तालाब में कूद गए। अंधेरे और कम पानी का फायदा उठाकर आरोपी दूसरी ओर से निकलकर फरार हो गए। मौके पर एसडीआरएफ टीम बुलाकर तालाब में तलाशी करवाई गई, लेकिन तत्काल आरोपी नहीं मिले। इसके बाद पुलिस ने आसूचना तंत्र और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान कर बेडवास, प्रतापनगर क्षेत्र से तीनों को डिटेन कर पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया।

पूछताछ में किया बड़ा खुलासा

गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि दिनांक 20.01.2026 को प्रतापनगर में उन्होंने अपने परिचित मोन्टू (गैरेज संचालक) के साथ शराब पी थी। उसी दौरान महेंद्र सिंह नामक व्यक्ति से फोन पर गाली-गलौच हो गई। उसे तलाशने के लिए वे कार लेकर निकले। रास्ते में इंस्टाग्राम कॉल व लोकेशन के आधार पर जोगी तालाब पहुंचे। शराब के नशे में उन्होंने वहां खड़ी गाड़ियों को देखकर चोरी का प्रयास करने की योजना बनाई, लेकिन लोगों के जागने पर पत्थर व बोतलें फेंकते हुए फरार हो गए।

पुलिस टीम- इस सफल कार्रवाई में थाना गोवर्धनविलास की टीम में श्री अर्जुन लाल, उप निरीक्षक, श्री भैरू लाल, हेड कांस्टेबल, श्री दिनेश सिंह, कांस्टेबल, श्री सुरेन्द्र सिंह, कांस्टेबल, श्री अंकित सिंह, कांस्टेबल,श्री लोकेश रायकवाल, साइबर सेल शामिल रहे।

उदयपुर के जिस नगर निगम के कंधों पर पूरे शहर की व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने की जिम्मेदारी है, उसी नगर निगम के परिसर में आज जुगाड़ राज चल रहा है



24 न्यूज अपडेट

कहीं पार्क की रेलिंग जमीन पर ढेर पड़ी है तो कहीं तारों और रस्सियों के सहारे ज़बरदस्ती खड़ी कर दी गई है और कहीं ऐसा लगता है कि जैसे रेलिंग नहीं, किसी आपदा के बाद बचा हुआ मलबा हो।

ये तस्वीरें किसी दूर-दराज़ के वार्ड की नहीं हैं ये हाल है उदयपुर नगर निगम के अपने पार्क का वही निगम, जो पूरे शहर को अनुशासन, सौंदर्य और सुरक्षा का पाठ पढ़ाता है सवाल सीधा है— जब अफसरों की आंखों के सामने उनके ही परिसर की रेलिंग सुरक्षित नहीं, तो शहर के पार्कों और सड़कों की सुरक्षा का भरोसा किससे किया जाए? एक तरफ डिवाइडरों के बीच बिना जरूरत ओरनामेंटल पोल लगाए जा रहे हैंबार—बार जालियों की अनावश्यक रंगाई— पुताई हो रही है। और तो और डिवाइडरों को बार—बार उखाड़ कर बनाने का सुव्यवस्थित धंधा चल रहा है, करोड़ों रुपये सड़क के बीचों-बीच पार्क बनाकर फूंके जा रहे हैं जो ट्रैफिक के लिए सुविधा नहीं, सरदर्द बन चुके हैं। तो ऐसे में दूसरी तरफ अरबों के बजट वाला नगर निगम अपने ही आंगन की व्यवस्थाएं संभालने में नज़र नहीं आ रहा है। देखिए ज़रा— कैसे काम चलाऊ सोच के तहत रेलिंगों को टिकाया गया है जैसे ये स्थायी समाधान नहीं, सिर्फ फाइलों में जवाब देने का इंतज़ाम हो हकीकत ये है कि इन रेलिंगों को बदलने के लिए लाखों नहीं चाहिए न बजट की कमी हैन संसाधनों की अगर किसी चीज़ की कमी है तो वो है इच्छा शक्तिऔर जब व्यवस्था में इच्छा शक्ति खत्म हो जाए, तो शहर का भविष्य रस्सियों और जुगाड़ के सहारे ही टिका रहता है।

नेमप्लेट हटा कर भाजपा ने फिर गांधी को बिठाया कुर्सी पर



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सागवाड़ा नगर पालिका की राजनीति में एक बार फिर सत्ता का पलड़ा बदल गया है। कांग्रेस नेता नरेंद्र खोड़निया के निलंबन के साथ ही न सिर्फ उनकी कुर्सी गई, बल्कि पालिका भवन से उनका नाम भी हटा दिया गया। इसके तुरंत बाद भाजपा नेता आशीष गांधी ने दोबारा अध्यक्ष पद की कमान संभाल ली, जिससे सागवाड़ा की स्थानीय राजनीति में नया संदेश चला गया है।

दरअसल, सागवाड़ा नगर पालिका में अध्यक्ष पद को लेकर बीते कई दिनों से खींचतान चल रही थी। 14 जनवरी को अदालत के आदेशों के आधार पर नरेंद्र खोड़निया ने खुद को अध्यक्ष बताते हुए कार्यभार संभाला था, लेकिन हालात इतने उलझे कि अगले ही दिन, 15 जनवरी को, एक ही कक्ष में दो-दो अध्यक्ष नजर आए। दोनों पक्षों ने अलग-अलग कुर्सियां लगाकर खुद को पालिका प्रमुख घोषित कर दिया, जिससे प्रशासनिक असमंजस और राजनीतिक तनाव खुलकर सामने आ गया।

मामला तब निर्णायक मोड़ पर पहुंचा जब राज्य सरकार ने 20 जनवरी को पट्टा आवंटन से जुड़े कथित घोटाले के आरोपों में नरेंद्र खोड़निया को एक बार फिर अध्यक्ष और पार्षद पद से निलंबित कर दिया। इसके बाद पालिका कार्यालय में कार्रवाई तेज हुई। अध्यक्ष कक्ष के बाहर लगी खोड़निया की नेम प्लेट हटाई गई और कार्यकाल बोर्ड पर भाजपा नेता आशीष गांधी का नाम दर्ज किया गया।

स्वायत्त शासन विभाग के आदेशों के तहत वार्ड संख्या 21 के पार्षद और पूर्व अध्यक्ष आशीष गांधी को पुनः सागवाड़ा नगर पालिका का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। बुधवार को वे नगर पालिका पहुंचे, जहां भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं ने फूल-मालाओं से उनका जोरदार स्वागत किया। समर्थकों की मौजूदगी में आशीष गांधी ने अध्यक्ष की कुर्सी संभाली और नगर पालिका का औपचारिक कार्यभार ग्रहण किया।

सागवाड़ा पालिका में इस घटनाक्रम के बाद साफ हो गया है कि फिलहाल प्रशासनिक और राजनीतिक नियंत्रण भाजपा के हाथ में लौट आया है, जबकि कांग्रेस को एक बार फिर बड़ा झटका लगा है।

उदयपुर में कल से स्कूल पूर्व निर्धारित समय पर संचालित होंगे, आदेश जारी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जिले में शीतकाल को देखते हुए बदले गए स्कूल समय को लेकर जिला प्रशासन ने नया आदेश जारी किया है। जिला कलेक्टर महोदय, उदयपुर के निर्देशानुसार जिले के समस्त राजकीय एवं निजी विद्यालय 23 जनवरी (गुरुवार) से पुनः पूर्व निर्धारित समयानुसार संचालित किए जाएंगे। मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी, समग्र शिक्षा, उदयपुर (राज.) की ओर से जारी कार्यालय आदेश में स्पष्ट किया गया है कि इससे पहले कलेक्टर के आदेश से अस्थायी रूप से विद्यालयों के समय में परिवर्तन किया गया था, जिसके तहत विद्यार्थियों की सुविधा और मौसम की स्थिति को ध्यान में रखते हुए स्कूलों का संचालन बदले हुए समय पर किया जा रहा था। अब परिस्थितियों में सुधार को देखते हुए पूर्व में लागू नियमित समय-सारिणी को बहाल किया गया है। आदेश में कहा गया है कि जिले के सभी सरकारी और निजी विद्यालय इस निर्णय की अनिवार्य रूप से पालना सुनिश्चित करें। शिक्षा विभाग ने विद्यालय प्रबंधन को निर्देश दिए हैं कि वे अभिभावकों और विद्यार्थियों को समय परिवर्तन की सूचना समय पर दें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा न हो।

महिला सुरक्षा पर निशुल्क परामर्श कार्यशाला आयोजित



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), उदयपुर के संघटक डिपार्टमेंट ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी द्वारा महिला सुरक्षा पर निशुल्क परामर्श, सलाह एवं मार्गदर्शन विषयक एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य छात्राओं एवं बालिकाओं में आत्मविश्वास, अधिकारों के प्रति जागरूकता तथा सशक्त समाज की स्थापना करना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत विभाग की निदेशक प्रो. मंजू माण्डोत के स्वागत संबोधन से हुई। उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए शैक्षणिक विकास के साथ-साथ कानूनी अधिकारों एवं आत्म-सुरक्षा के प्रति सजग रहना भी आवश्यक है। कार्यशाला की मुख्य वक्ता मंजरी गुप्ता, सामाजिक परामर्शदाता, महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र, जी.आर.पी. थाना, प्रसा अनुसंधान संस्था, उदयपुर तथा श्वेता जोशी, विधिक परामर्शदाता रहीं। उन्होंने महिला सुरक्षा, कानूनी अधिकारों, अपराधों से बचाव, सरकारी योजनाओं, हेल्पलाइन सेवाओं एवं विधिक सहायता संबंधी जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में डॉ. मनीष श्रीमाली, डॉ. भारत सिंह देवड़ा, डॉ. गौरव गर्ग, डॉ. प्रदीप सिंह शक्तावत, डॉ. भरत सुखवाल, डॉ. दिलीप चौधरी, श्री मुकेश नाथ, श्री दुर्गाशंकर, श्री त्रिभुवन सिंह बमनिया, मानसी नागर एवं चिराग दवे सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यशाला छात्राओं के लिए उपयोगी एवं प्रेरणादायक रही।

भारत के अग्निशमन कार्मिकों का राष्ट्रीय टूर्नामेंट 26 जनवरी से, मेवाड़ रचेगा इतिहास

1500 से अधिक अग्निशमन अधिकारी-कर्मचारी लेंगे भाग



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। गणतंत्र दिवस 26 जनवरी को उदयपुर की ऐतिहासिक धरती पर एक नया और गौरवपूर्ण अध्याय जुड़ने जा रहा है। आज़ाद भारत के इतिहास में पहली बार अग्निशमन सेवा से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों का राष्ट्रीय स्तर का भव्य टूर्नामेंट उदयपुर में आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन न केवल अग्निशमन सेवाओं के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा, बल्कि मेवाड़ की शौर्य, सेवा और समर्पण की परंपरा को राष्ट्रीय मंच पर सशक्त रूप से स्थापित करेगा। ऐतिहासिक टूर्नामेंट में देशभर के विभिन्न राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों से 1500 से अधिक अग्निशमन अधिकारी एवं कर्मचारी भाग लेंगे। आयोजन का जिम्मा नगर निगम उदयपुर एवं अग्निशमन विभाग को सौंपा गया है, जिसके तहत उदयपुर एक बार फिर राष्ट्रीय पहचान हासिल करेगा।

आयुक्त ने सौंपी जिम्मेदारी, शुरू हुई तैयारियां

निगम आयुक्त अभिषेक खन्ना ने प्रतिष्ठित आयोजन की संपूर्ण जिम्मेदारी मुख्य अग्निशमन अधिकारी बाबूलाल चौधरी को सौंपी है। आयुक्त खन्ना ने कहा कि यह टूर्नामेंट केवल खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि उन वीर अग्निशमन कर्मियों के सम्मान का प्रतीक है, जो हर संकट, हर आपदा और हर चुनौती में अपनी जान की परवाह किए बिना नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। आयोजन में देश एवं राज्यों के प्रमुख प्रशासनिक अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे।

2000 से अधिक अग्निशमन कार्मिक, रोमांचक प्रतियोगिताएं

इस राष्ट्रीय टूर्नामेंट में 2000 से अधिक अग्निशमन कार्मिकों की सहभागिता रहेगी। प्रतियोगिताओं में उनकी शारीरिक दक्षता, व्यावसायिक कौशल, अनुशासन, टीम भावना और आपात परिस्थितियों में निर्णय क्षमता का प्रदर्शन होगा। प्रतियोगिता में एथलेटिक्स, आर्म रेसलिंग, बैडमिंटन, क्रिकेट, लॉन टेनिस, मस्टर, सीढ़ी दौड़, टेबल टेनिस, कुश्ती सहित "सबसे ताकतवर अग्निशामक" और "अल्टीमेट फायर फाइटर" जैसी विशेष प्रतियोगिताएं आकर्षण का केंद्र रहेंगी। ये सभी प्रतियोगिताएं महाराणा प्रताप खेल गांव, फील्ड क्लब एवं लवकुश स्टेडियम में आयोजित की जाएंगी।

फील्ड क्लब में होगा भव्य और रंगारंग उद्घाटन

भव्य उद्घाटन समारोह फील्ड क्लब उदयपुर में आयोजित किया जाएगा। उद्घाटन अवसर पर देश व राज्य के मंत्रीगण, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, अग्निशमन विभाग के उच्चाधिकारी एवं विभिन्न राज्यों से आए अग्निशमन कार्मिक उपस्थित रहेंगे। मशाल प्रज्वलन के साथ प्रतियोगिताओं का विधिवत शुभारंभ किया जाएगा। मुख्य अग्निशमन अधिकारी बाबूलाल चौधरी ने बताया कि टूर्नामेंट की सभी तैयारियां युद्ध स्तर पर शुरू कर दी गई हैं। प्रतियोगिता स्थलों का चयन, प्रतिभागियों के ठहराव, भोजन, सुरक्षा, चिकित्सा सुविधाएं, यातायात प्रबंधन, स्वच्छता एवं अग्नि सुरक्षा को लेकर विस्तृत कार्ययोजना बनाई गई है। नगर निगम, अग्निशमन विभाग, पुलिस प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग सहित सभी संबंधित विभागों के बीच समन्वय स्थापित किया गया है, ताकि आयोजन पूर्णतः सुरक्षित, सुव्यवस्थित और सफल हो। मुख्य अग्निशमन अधिकारी बाबूलाल चौधरी ने बताया कि सेवानिवृत्त अग्निशमन अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने अपने कार्यकाल में उत्कृष्ट सेवाएं देकर समाज के लिए उदाहरण प्रस्तुत किया।

हाईकोर्ट ने कहा- SHO को तुरंत हटाओ, आरोपी थानाधिकारी को पुलिस थाने से दूर रखो



24 न्यूज अपडेट

प्रतापगढ़ / जोधपुर। प्रतापगढ़ में कथित पुलिस बर्बरता का मामला अब राजस्थान हाईकोर्ट की जोधपुर बेंच तक पहुँच गया है। आरोप है कि प्रतापगढ़ के अब्दुल हमीद शेख के घर पुलिस टीम ने जबरन प्रवेश किया, परिवार के साथ मारपीट की, कीमती सामान लूटा और युवक के हाथ-पैर तोड़कर उसे 4 साल पुराने एनडीपीएस केस में फंसाने के लिए उसकी जेब में मोबाइल रख दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए जस्टिस फरजंद अली की अदालत ने इसे प्रथम दृष्टया "जानवरों जैसा सुलूक" और "कस्टोडियल टॉर्चर" करार दिया। अदालत ने तुरंत प्रभाव से आरोपी थानाधिकारी को थाने से हटाने और ड्यूटी से दूर रखने के निर्देश जारी किए हैं। मामले की अगली सुनवाई 23 जनवरी 2026 को होगी।

घटना का संक्षिप्त विवरण

याचिकाकर्ता शाकिर शेख की ओर से पेश वकील ने अदालत को बताया कि यह घटना 31 दिसंबर 2025 की रात से 1 जनवरी 2026 की सुबह तक हुई। आरोप है कि प्रतापगढ़ थाना के एसएचओ दीपक बंजारा और उनकी टीम ने शाकिर शेख के घर जबरन प्रवेश किया और अब्दुल हमीद शेख व परिवार के अन्य सदस्यों के साथ घातक हथियारों से मारपीट की, साथ ही कीमती सामान लूट लिया। पीड़ित के वकील रॉबिन सिंह ने बताया कि एसएचओ दीपक बंजारा के खिलाफ इस्तगासा दाखिल किया गया था, और कोर्ट ने उन्हें तुरंत थाने से हटाने का आदेश दिया है।

साजिश और फर्जी सबूत

याचिकाकर्ता का आरोप है कि पुलिस ने अब्दुल हमीद शेख के हाथ-पैर तोड़ने के बाद उसकी जेब में एक मोबाइल फोन रख दिया। मोबाइल का कनेक्शन चार साल पुराने एनडीपीएस केस से जोड़ा गया ताकि शेख को अपराधी साबित किया जा सके।

कोर्ट की टिप्पणी

सुनवाई के दौरान प्रस्तुत घायल युवक की तस्वीरों को देखकर जस्टिस फरजंद अली ने कहा कि यह कस्टोडियल टॉर्चर है और पुलिस कर्मियों का यह व्यवहार न्याय के सिद्धांतों के विपरीत है। राजस्थान हाईकोर्ट के निर्देश SHO को तुरंत हटाया जाए – आरोपी थानाधिकारी को पुलिस थाने से दूर रखा जाए और अगली सुनवाई तक किसी भी ड्यूटी या जांच को प्रभावित न करे। CBI जांच पर जवाब – एसपी प्रतापगढ़ को शपथ पत्र दाखिल करना होगा कि क्यों न मामले की जांच किसी स्वतंत्र एजेंसी या CBI को सौंपा जाए। सबूतों से छेड़छाड़ न हो – एसपी व्यक्तिगत रूप से सुनिश्चित करेंगे कि सीसीटीवी फुटेज, कॉल रिकॉर्ड्स और केस डायरी में कोई छेड़छाड़ न हो। आरोपी अधिकारी को केस डायरी छूने या परिवादी से संपर्क करने की अनुमति नहीं होगी। एडिशनल एसपी पेश हों – अगली सुनवाई 23 जनवरी को एडिशनल एसपी एफआईआर और केस डायरी के साथ अदालत में उपस्थित होंगे। आईजी रेंज की निगरानी – आईजी रेंज को भी आदेश दिए गए कि वे आरोपी पुलिस अधिकारी के इस दंडनीय कृत्य की स्वयं जांच करें।

बलिदान दिवस पर फतहसागर पाल पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम, शौर्य और निष्ठा को किया नमन

अमर शहीद हेमू कालाणी की स्मृति में मित्रता दिवस मनाने का आह्वान



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अमर बलिदानी शहीद हेमू कालाणी के बलिदान दिवस के अवसर पर भारतीय सिंधु सभा उदयपुर एवं सिंधी सेंट्रल युवा सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को फतहसागर पाल पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सामाजिक, शैक्षिक एवं युवा संगठनों से जुड़े लोग उपस्थित रहे और पुष्पांजलि अर्पित कर शहीद के अदम्य साहस, मित्रता और देशभक्ति को नमन किया। भारतीय सिंधु सभा के सुरेश कटारिया ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आलोक संस्थान के निदेशक एवं शिक्षाविद् डॉ. प्रदीप कुमावत रहे। अपने उद्बोधन में डॉ. कुमावत ने शहीद हेमू कालाणी के प्रेरणादायी जीवन प्रसंगों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी हुकूमत द्वारा जेल में अमानवीय यातनाएँ दिए जाने के बावजूद हेमू कालाणी ने न तो अपने साथियों के नाम उजागर किए और न ही अपने संकल्प से डिगे। मात्र 19 वर्ष की आयु में फाँसी को स्वीकार करना उनकी अद्वितीय मित्रता, निष्ठा और बलिदान भावना का प्रमाण है। डॉ. कुमावत ने इसी भावना से प्रेरित होकर सुझाव दिया कि शहीद हेमू कालाणी के जन्मदिवस 23 मार्च को "मित्रता दिवस" के रूप में मनाया जाना चाहिए, ताकि युवा पीढ़ी सच्ची मित्रता, साहस और राष्ट्रभक्ति के मूल्यों को आत्मसात कर सके। कार्यक्रम में सिंधु सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं शिक्षाविद् डॉ. मनोहर कालरा ने कहा कि देश की आज़ादी के यज्ञ में अनेक वीर सपूतों ने अपने प्राणों की आहुति दी। अखंड भारत के सिंध प्रांत के सखर निवासी हेमू कालाणी उन्हीं अमर शहीदों में से एक थे, जिन्होंने अल्पायु में ही राष्ट्र के लिए सर्वोच्च बलिदान देकर इतिहास में अपना स्वर्णिम स्थान बनाया। इससे पूर्व प्रातःकाल जवाहर पार्क, प्रतापनगर स्थित हेमू कालाणी स्मारक पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर हेपी होम सीनियर सेकेंडरी स्कूल की छात्राओं एवं प्रदेश संरक्षक सुरेश कटारिया द्वारा देशभक्ति गीतों की भावपूर्ण प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिन्होंने उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम में हेपी होम विद्यालय के प्रधानाचार्य जगदीश अरोड़ा का भी सम्मान किया गया। सभा के प्रताप राय चुग ने कहा कि हेमू कालाणी के मन में बचपन से ही देशभक्ति और राष्ट्रसेवा की भावना कूट-कूटकर भरी हुई थी। वहीं प्रदेश संरक्षक सुरेश कटारिया ने युवाओं से आह्वान किया कि वे शहीद हेमू कालाणी के जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण और देशसेवा में सक्रिय भूमिका निभाएँ। किशन वाधवानी, प्रताप राय चुग, लक्ष्मण बजाज, सुनील कालरा शिकारपुरी, ओमप्रकाश गुरानी, हरीश चावला, उमेश मनवानी, विक्की राजपाल, राजेश खत्री, सुरेश खुराना, खानचंद मगवानी, प्रकाश फुलानी, रमेश दतवानी, गुरमुख कस्तूरी, श्रीचंद खथुरिया, कृष्णकांत कुमावत, कमलेश चैनानी, बसंत पंजवानी, हीरानंद चैनानी, कमल कृपलानी, कमल तलरेजा, लज्जा रामेजा, रमा खियाणी, मोहिनी सावधानी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। संचालन दुर्गेश चांदवानी ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन संभाग प्रभारी प्रकाश फुलानी ने दिया। राष्ट्रगान के साथ श्रद्धांजलि कार्यक्रम का समापन हुआ।

हिंदुस्तान ज़िंक और सेहर के साथ सीमाओं से परे संगीत का एक दशकः वेदांता उदयपुर वर्ल्ड म्यूज़िक फ़ेस्टिवल फिर से लौट रहा है



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर : भारत के सबसे शानदार संगीत उत्सव में शुमार वेदांता उदयपुर वर्ल्ड म्यूज़िक फ़ेस्टिवल इस साल अपनी कामयाबी के 10 साल पूरे कर रहा है। इस बार यह सिर्फ़ एक आयोजन नहीं है, बल्कि यादों को संजोने और जश्न मनाने का एक खूबसूरत मौका है। संगीत के इस सफ़र की शुरुआत एक छोटी सी सोच के साथ हुई थी कि संगीत में पूरी दुनिया को एक सूत्र में पिरोने की ताकत है। हिंदुस्तान ज़िंक द्वारा समर्थित एवं सेहर द्वारा परिकल्पित, राजस्थान सरकार के पर्यटन विभाग के सहयोग से यह फ़ेस्टिवल 6 से 8 फ़रवरी तक उदयपुर की फ़िज़ाओं में गूँजेगा। यह आयोजन एक ऐसे सांस्कृतिक सफ़र में दर्शकों का स्वागत करता है जो धुनों, कहानियों, और सभी के जज़्बातों से सराबोर है। इस उत्सव की आत्मा में एक गहरी सोच बसी है-दुनिया भर के संगीत को भारतीय श्रोताओं से जोड़ना और साथ ही राजस्थान की लुप्त होती वाद्य कला और पारंपरिक धुनों को सहेजना और उन्हें बढ़ावा देना। वेदांता उदयपुर वर्ल्ड म्यूज़िक फ़ेस्टिवल देश का एकमात्र फ़ेस्टिवल है, जो दिन के तीन प्रहरों के अनुसार डिज़ाइन किया गया है। इस बार फ़ेस्टिवल के तीन में 10 से ज़्यादा देशों के 20 बैंड शामिल होंगे, जो दुनिया भर की संगीत विरासतों की एक अनूठी झलक पेश करेंगे। लोक-पारंपरिक से वैश्विक धुनों तक, देश-विदेश के कलाकार संगीत की विविधता और इंसानियत की एकता का उत्सव मनाएंगे। यह फ़ेस्टिवल उदयपुर की तीन मशहूर जगहों पर आयोजित किया जाएगा। हर जगह का अपना एक अलग मूड और संगीत होगा। शुरुआत मांजी का घाट से होगी, जहाँ सुबह के समय घाट के खूबसूरत नज़ारे और शांत पानी के किनारे ध्यान और मन को शांत करने वाला संगीत गूँजेगा। दोपहर को फ़तेहसागर पाल पर रूमानी और भावपूर्ण संगीत से रूबरू होंगे। इससे झील के किनारे गीतों के ज़रिए होती किस्सागोई, आपसी जुड़ाव, और अपनेपन का एक खूबसूरत माहौल तैयार होगा। फ़ेस्टिवल का हर दिन गाँधी ग्राउंड में अपने चरम पर पहुँचेगा। यहाँ की जोशीली धुनें, नए दौर के गीत और पॉप संगीत पूरे माहौल को ताल, नृत्य, और सामूहिक जश्न में तब्दील कर देंगे। सेहर के संस्थापक संजीव भार्गव ने इस सफ़र के दस सालों को याद करते हुए कहा कि "वेदांता उदयपुर वर्ल्ड म्यूज़िक फ़ेस्टिवल के दस साल का सफ़र पूरा करना हम सबके लिए एक बेहद भावुक और सुकून देने वाला अनुभव है। हमने इस साधारण-सी सोच के साथ शुरुआत की थी कि दुनिया भर के संगीत को एक खुले, अपनेपन से भरे, और सांस्कृति विरासत से सजे माहौल में लोगों तक पहुँचाया जाए। आज यह फेस्टिवल भाईचारे, विविधता, और इंसानी जज़्बातों के संगम का वैश्विक जश्न बन गया है। अपनी सदाबहार खूबसूरती और सभी का स्वागत करने की अपनी खास परंपरा वाला उदयपुर, इस सफ़र का एक बेहतरीन साथी रहा है। दस साल पूरे होने के इस मौके पर, हम देश-विदेश के कलाकारों और संगीत प्रेमियों का फिर से स्वागत करने के लिए उत्साहित हैं, ताकि हम सच्चे संगीत के आनंद का भरपूर जश्न मना सकें।

विराट हिंदू सम्मेलन कार्यालय का भुवाणा में उद्घाटन



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। आगामी 31 जनवरी को जोड़ा बावजी मैदान, भुवाणा में आयोजित होने वाले विराट हिंदू सम्मेलन की तैयारियों के तहत गवरी चौक, भुवाणा में सम्मेलन कार्यालय का भव्य उद्घाटन श्रद्धा व जय श्रीराम के उद्घोष के साथ किया गया। उद्घाटन अवसर पर हरिओम नागदा, वीरेंद्र प्रजापत, मोहनलाल डांगी, ख्यालीलाल प्रजापत, ललित चौरड़िया, टीनू मंडावत, लालजी डांगी, राजकुमार शर्मा, मांगीलाल वैष्णव, चंद्रकला शर्मा, जसोदा वैष्णव, सुशील शर्मा, कविता सिखवाल, लोकेश प्रजापत, दिनेश डांगी, मुकुल कुमावत सहित सर्व हिंदू समाज के कार्यकर्ता व मातृशक्ति उपस्थित रहे।वक्ताओं ने सम्मेलन को समाज में एकता व संगठन को मजबूत करने वाला बताते हुए अधिकाधिक सहभागिता का आह्वान किया। आयोजन समिति ने सम्मेलन को ऐतिहासिक बनाने के लिए जनसंपर्क व व्यवस्थाओं को तेज करने की बात कही।

बान्द्रा टर्मिनस–भिवानी सुपरफास्ट साप्ताहिक स्पेशल रेल सेवा शुरू, अतिरिक्त यात्री भीड़ को देखते हुए 5 ट्रिप का संचालन



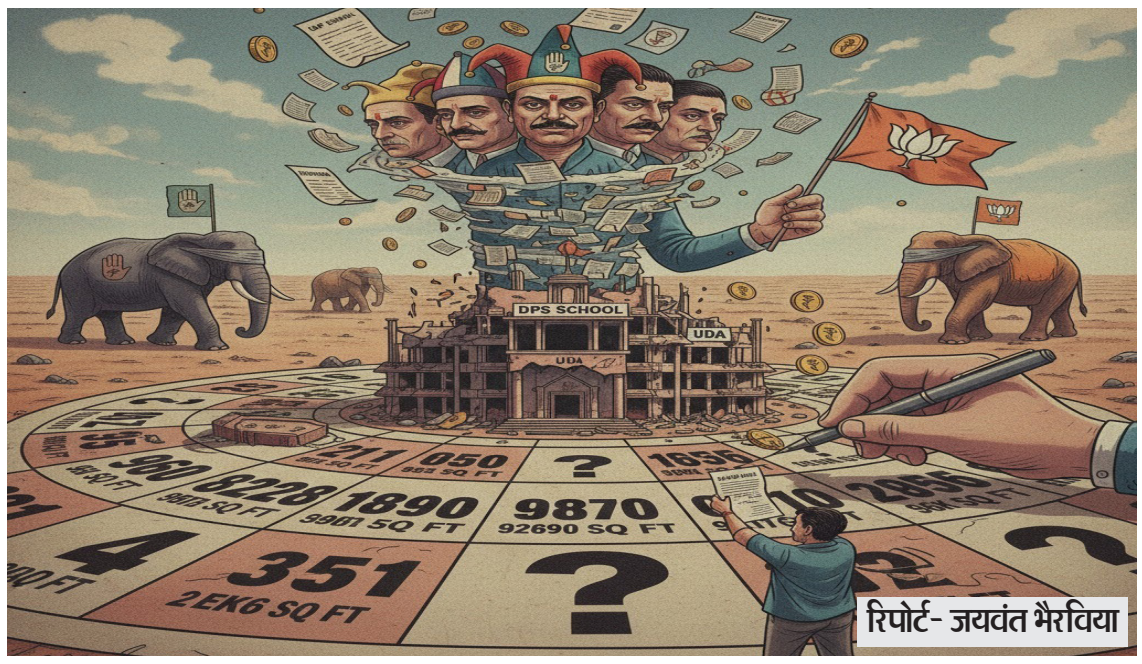
24 न्यूज अपडेट

जयपुर। अतिरिक्त यात्री यातायात को ध्यान में रखते हुए रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु बान्द्रा टर्मिनस–भिवानी–बान्द्रा टर्मिनस सुपरफास्ट साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा का संचालन किया जा रहा है। यह सेवा कुल 5 ट्रिप के लिए चलाई जाएगी। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशि किरण ने बताया कि गाड़ी संख्या 09005 बान्द्रा टर्मिनस–भिवानी सुपरफास्ट साप्ताहिक स्पेशल 28 जनवरी, 4 फरवरी, 11 फरवरी एवं 25 फरवरी 2026 को प्रत्येक बुधवार को बान्द्रा टर्मिनस से सुबह 11.00 बजे प्रस्थान करेगी। यह रेलसेवा जयपुर स्टेशन पर अगले दिन सुबह 6.55 बजे पहुंचेगी तथा 7.05 बजे रवाना होकर गुरुवार को दोपहर 1.00 बजे भिवानी पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09006 भिवानी–बान्द्रा टर्मिनस सुपरफास्ट साप्ताहिक स्पेशल 29 जनवरी, 5 फरवरी, 12 फरवरी, 19 फरवरी एवं 26 फरवरी 2026 को प्रत्येक गुरुवार को भिवानी से दोपहर 2.35 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन जयपुर स्टेशन पर शाम 7.40 बजे पहुंचेगी तथा 7.50 बजे रवाना होकर अगले दिन शुक्रवार को शाम 4.10 बजे बान्द्रा टर्मिनस पहुंचेगी। यह रेलसेवा मार्ग में बोरीवली, पालघर, वापी, सूरत, वडोदरा, रतलाम, मंदसौर, नीमच, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, बिजयनगर, नसीराबाद, अजमेर, किशनगढ़, जयपुर, दौसा, अलवर, रेवाड़ी, कोसली एवं चरखी दादरी स्टेशनों पर ठहराव करेगी। रेल संरचना की बात करें तो इस विशेष रेलसेवा में 1 सेकंड एसी, 5 थर्ड एसी, 13 स्लीपर, 2 साधारण श्रेणी तथा 2 गार्ड डिब्बों सहित कुल 23 कोच लगाए जाएंगे।



UDA : DPS के लिए बना कभी छलिया, कभी दीवाना, कभी अनाड़ी, कभी आवारा

24 न्यूज अपडेट



उदयपुर। ये उपाधियां यूडीए को यूं ही नहीं मिली है। यूडीए के अफसरों ने पुरातन काल से वर्तमान राहु—ल काल तक कुछ खास लोगों और खास तरह के समूहों की चरण वंदना करते हुए बहुत ही मेहनत से छलिया, दीवाना, अनाड़ी जैसी व्यांग्यात्मक उपाधियां हासिल की है। पब्लिक क्या सोचती होगी, किस तरह से लोगों में खुलेआम भ्रष्टाचार की चर्चा होती होगी, नियमों को तोड़ मरोड़ कर पेश करने पर कितनी भद्द पिटती होगी। यह शायद यूडीए के पूरे सिस्टम के थॉट प्रोसेस से ही बाहर की बात हो गई है। हर हाल में उनके लिए काम करना है, हर हाल में उनको बचाना है। फिर चाहे जिस हद से गुजर जाने की नौबत ही क्यों ना आ जाए। सत्ता का चाहे जो दौर हो, हाथ से लेकर कमल तक और अब तो भगवा भी। कोई भी रंग या रंगत हो, इन पर कोई असर नहीं हुआ। क्योंकि सिस्टम में केवल नाम बदलते हैं, लाभ पाने वालों के चेहरे बदलते हैं। अंदर से सब कुछ वैसा ही चलता रहा है। हमने उदयपुर के डीपीएस मामले की जो परतें खोली हैं, अगर आपने उसके सभी एपिसोड नहीं पढ़े हैं तो आज ही इस खबर के आनलाइन संस्करण के नीचे मौजूद सभी खबरों का अवलोकन जरूर करें। आपको पता चला जाएगा कि यूडीए किस तरीके से केवल डीपीएस को बचाने के लिए किस हद तक चला गया है। जमीनों का ऐसा खेल जो अब नजीर बन गया है, उदयपुर के महाघपलों के इतिहास की पन्नों के कवर पेज की स्टोरी बन गया है।

ऐसी भी क्या मजबूरी राहु-ल जी, एक कागज तक नहीं चला पाए

उदयपुर का सबसे बड़ा और सर्वाधिक चर्चित जमीन आवंटन घोटाला DPS स्कूल का है। किस तरह DPS की मंगलम एजुकेशन सोसायटी लगतार UDA की जमीनों को निगलती रही और बार—बार उनका कौड़ियों के भाव आवंटन भी किया जाता रहा यह अब जग जाहिर हो गया है। जमीन भु आवंटन नीति 2015 का उल्लंघन करके DPS को जमीन दी जाती रही और अब तक 4 लाख वर्ग फीट से ज्यादा जमीन दी जा चुकी है। फिर भी DPS स्कूल के कब्जे में UDA की और जमीन हैं। जिसे आंकड़ों का खेल खेलकर DPS को दिए जाने की तैयारी हो रही है। जनता पूछ रही है कि मुहोब्बत में हद से गुजर जाने के पीछे आखिर मजबूरी क्या है?? यूं ही नहीं कोई इतना दिलो—जान से किसी पर मरता है। कोई आशिक इस खबर को पढ़ रहा हो तो वो यूडीए से रश्क कर सकता है। आंकड़े हैं या गिरगिट, फाइलों में बदलते रहते हैं रंग!! DPS की कब्जाई जमीन के आंकड़ें गिरगिट की तरह रंग बदल रहे हैं। 2016 में तब के UIT सचिव रामनिवास मेहता की जांच में पाया गया कि 82,628 वर्ग फीट जमीन पर यूडीए की जमीन पर सोसायटी ने कब्जा कर रखा है, जिसे खाली करने का नोटिस भी दिया गया। इस पर जैक जरिये से बात नहीं बनी तो डीपीएस हाईकोर्ट चला गया। आपको अचरज होगा कि केस के दौरान ही अधिकारी भी जमीन के आंकड़े बदलते रहे। जैसे साल 2018 में उज्जवल राठौड़ ने 56,524 वर्ग फीट पर अग्रवाल का कब्जा बताया तो साल 2023 में नितेंद्रपाल सचिव ने 99,870 वर्ग फीट का कब्जा बताया। भाई ये कोई साम्राज्यवाद चल रहा है क्या, मेरे मन को भाया,,,,मैं जमीन का और कब्जा कर आया। क्या कैमे स्ट्री है यूडीए और सोसायटी की। बहुत याराना लगता है। पत्रकार की शिकायत पर राज्य सरकार का एक्शन पत्रकार की ओर से राज्य के तत्कालीन मुख्य सचिव सुधांशु पंत को शिकायत से जगाया गया। बताया गया कि भाई साहब, ये हो क्या रहा है?? ये कौनसा जादू है कि जमीन बढ़ते ही जा रही है। शिकायत के बाद UDA को जांच के आदेश जारी हुए। जांच में सामने आया कि DPS स्कूल को जिस उद्देश्य से कौड़ियों के भाव ज़मीन दी गई थी उनकी आवंटन शर्तो की पालना ही नही की गई है।

राहु-ल काल की महामशीन का महा-अविष्कार, 23,894 वर्ग फीट की गैप भूमि

राहु—ल काल तक आते—आते कहानी में और अधिक ट्विस्ट आ गया। इस बार गैप भूमि की एंट्री हो गई। हमारी पिछली खबर में आपने पढ़ा ही होगा कि गैप भूमि शब्द का खेल आखिर क्या है??? राहु—ल जी जपनाम करते नजर आ रहे हैं गेप भूमि का— तुझे जमीं, पर उतारा गया है...डीपीएस के लिए। तूं अब से पहले सितारों में बस रही थी कहीं...??? DPS के पास आवंटन से अधिक जमीन होने की जांच रिपोर्ट जो सरकार को भेजी गई उसमें भी विरोधाभास बातें आने पर। सरकार कन्फयूजिया गई। सरकार के पेट में हैडेक हो गया और आईएएस अफसरों की बुद्धि भ्रम का शिकार होकर पानी भरने चली गई। नाराजगी जताते हुए विस्तृत तथ्यात्मक टिप्पणी मांग ली गई। एकमेव सवाल जो उठा—भाई बताओ तो सही, असल जमीन कितनी दबा कर बैठे हैं। कोई तो ज्योग्राफिया होगा, कोई तो नाप, सूत, सांवल होगा या हर बार रिपोर्ट में धूल में लठ पेले जा रहे हो। सरकार को भेजी गई रिपोर्ट में UDA आयुक्त ने बताया कि सरजी, DPS के पास ओवरलेपिंग के कारण 23,894 की गैप भूमि दिख रही है। वाह....क्या सीन है???? अचानक गैप भूमि दिखने लग गई जो पहले कभी नहीं दिखाई दी। ना जाने आंखों में कौनसे बाबाजी वाली दवा डाल कर देख लिया और जमीन का नामकरण संस्कार भी कर दिया—गैप भूमि। शब्द का नामकरण संस्कार ना जाने कितने ''अन्न—प्राशन'' संस्कार के बाद फलित हुआ यह अर्थशास्त्र तो हम नहीं बता सकते मगर हुआ जरूर कुछ तगड़ा वाला होगा। रेवेन्यू की शब्दावली बनाने वाला महापुरूष आज जिंदा होता तो 24 हजार वर्गफीट की गैप भूमि शब्द सुनकर ही संन्यास लेकर हिमालय क गुफाओं में तपस्या करने चला जाता। दुनिया से उसका मोह भंग हो जाता।

अपना सपना मनी-मनी,...आंकड़ों में उलझाओ, डीपीएस को बचाओ

अब तक UIT अब UDA के तीन पूर्व सचिवों की जांच रिपोर्ट में DPS के कब्जे की भूमि के अलग—अलग आंकड़े बताए गए, जिन पूर्व UIT सचिव राम निवास मेहता की ईमानदारी की कसमें खाई जाती थी, उनकी जांच रिपोर्ट को भी सही नही माना गया तो फिर कैसे मान लिया जाए कि राहुल जैन की रिपोर्ट सही है? सवाल तो इसलिए भी उठते है कि DPS की फ़ाइल में लगभग 120 दिन बाद भी आवंटन शर्तो का उल्लंघन करने के कारण DPS का जमीन आवंटन निरस्त करने की कोई कार्यवाही नही की गई है और RTI में भी जवाब दिया गया है कि आवंटन निरस्त करने की कोई कार्यवाही नही की गई है और न ही DPS स्कूल को कोई नोटिस दिया गया है। सवाल यह ठोस है कि अब UDA इतना मजबूर क्यों है ?, क्यों अब तक आवंटन निरस्त नही किया गया है। कौनसे रंग का झंडा उसे दिख गया है जमीन पर?? या कहीं से फोन—फान आ गया किसी सिस्टम के हाथी का जो लंबलेट हुए जा रहे हो। सरकार को पत्र लिखने में भी राहु—ल जी की कलम क्यों कांप रही है??? उनको डर किससे लग रहा है। सवाल बहुत बड़े हैं। यदि पत्र नहीं लिखेंगे तो इतिहास उन्हें कायर कहने से कभी नहीं चूकेगा। गलत बातों पर पर्देदारी करने वाले अफसरों को भी आजीवन खुद को माफ नहीं कर सकने वाली गिल्ट से छुटकारा नहीं मिल पाएगा।

दीक्षार्थी मुमुक्षु रविशा इति पोरवाल के जैनेश्वरी दीक्षा महोत्सव के तीन दिवसीय कार्यक्रम कल से, 23 को आयड़ जैन तीर्थ में गुरु भगवंतों का मंगल प्रवेश, 25 को वर्षीदान का वरघोड़ा निकलेगा



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर में तीन दिवसीय दीक्षार्थी मुमुक्षु रविशा इति पोरवाल के जैनेश्वरी दीक्षा महोत्सव को लेकर गुरुवार को आयड़ जैन तीर्थ बैठक का आयोजन हुआ। रविशा इति पोरवाल की जैनेश्वरी दीक्षा आचार्य योग तिलक सुरिश्वर महाराज की निश्रा में मुम्बई स्थित बोरीवली में आगामी 8 फरवरी को होगी। श्री जैन श्वेताम्बर महासभा के महामंत्री कुलदीप नाहर ने बताया कि तीन दिवसीय दीक्षार्थी मुमुक्षु रविशा इति पोरवाल के जैनेश्वरी दीक्षा महोत्सव को लेकर शुक्रवार 23 जनवरी को प्रातः 8 बजे आयड़ तीर्थ में गुरु भगवंतों का मंगल प्रवेश एवं नवकारसी का आयोजन होगा। वहीं 9 बजे स्नात्र पूजन किया जाएगा। उसके बाद दोपहर 1.30 बजे सांझी एवं संगीतमय उपरण वंदनावती कार्यक्रम का आयोजन होगा। उसके बाद शाम 7 बजे से संगीतकार मंथन शाह द्वारा प्रभु भक्ति एवं महापूजन किया जाएगा। शनिवार 24 जनवरी सुबह 9.30 बजे शक्रस्तव अभिषेक किया जाएगा वहीं शाम 7 बजे से संवेदना, मातृ-पितृ वंदनावली का आयोजन निमेश सवाणी के निर्देशन में होगा। नाहर ने बताया कि अंतिम दिन रविवार 25 जनवरी को सुबह 9 बजे मंगलम कॉम्प्लेक्स शोभागपुरा से वर्षीदान का भव्य वरघोड़ा निकाला जाएगा जो विभिन्न मार्गों से होते हुए आयड़ जैन तीर्थ पहुंचेगा जहां सुबह 11 बजे से संगीतकार हेनी भाई के मधुर स्वर लेहरियों के बीच मुमुक्षु बेन का सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। आयोजन को लेकर आयड़ तीर्थ में आयोजित हुई बैठक में महामंत्री कुलदीप नाहर, यशवंत जैन, राकेश पोरवाल, अशोक राजनगर वाला, चन्द्र प्रकाश राजनगर वाला, नितेश पोरवाल, निर्मल पोरवाल, रवि मुर्डिया, श्रेयांश पोरवाल, उदित शाह, हितेश पोरवाल, यशवंत पोरवाल सहित कई समाजजन मौजूद रहे।

लेकसिटी में पंजाब के मशहूर जादूगर सम्राट शाका का जादूई शो 23 जनवरी से होगा शुरू



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर में पंजाब के मशहूर जादूगर सम्राट शाका का जादूई शो पहली बार शुरू होने जा रहा है। इसमें उदयपुर की जनता को कई हैरतअंगेज, अद्भुत और नायाब करिश्मो से भरपूर मनोरंजन किया जाएगा।

जादूगर शाका ने बताया कि जादू शो अटल सभागार, हिरण मगरी में 23 जनवरी से शुरू होगा। अपने हैरतअंगेज और मनमोहक करतबों से देश-विदेश में लोगों को चकित और आनंदित करने वाले पंजाब के सुपर स्टार जादूगर शाका नये-नये जादूई करतब लेकर आया है। जादू हमारे देश की प्राचीनतम कला है जिसे आज संरक्षण की आवश्यकता है और इंटरनेट के इस युग मे लोगों को पारंपरिक मनोरंजन करना हमारा मकसद है। उन्होंने बताया कि अच्छे जादुई शो कार्यक्रमों को आज भी लोग लाइव देखना पसंद करते है।

जादूगर शाका अब तक कई सामाजिक संस्थाओं द्वारा सम्मानित और बिल्कुल नए अंदाज में 7 हजार से भी ज्यादा शो प्रस्तुत कर अपनी एक खास पहचान बना चुके है। जादू एक कला है, तंत्र, मंत्र,भूत, प्रेत से इसका दूर-दूर तक कोई नाता नहीं है। लोगों को अंधविश्वास से बचाना उनके जादूई मिशन का मुख्य उदेश्य है।

सम्राट शाका ने बताया कि उनका हमेशा से प्रयास रहा है की नये करतब प्रस्तुत कर दर्शको का स्वस्थ मनोरंजन किया जाए।

समन्वयक शबाना खान ने बताया कि उदयपुर में हजारों वर्ष पूर्व विलुप्त हो चुके डाइनोसोर को मंच पर प्रकट कर दर्शकों को रोमांचित करना, लडक़ी को तीन टुकडों में काटकर जोडऩा, लडक़ी को हवा में उड़ाना, कागज पर हवा में तैरती लडक़ी, जापान के रहस्यमयी भूत, चलते पंखे से आर-पार होना, आईने से आर-पार होना आदि अनेक ऐसे करतब है दिखाए जाएंगे।

शो में जल बचाओ, जीवन बचाओ, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, नशे से दूर रहें, स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत जैसे जन संदेश को प्रमुखता से रखा गया है ताकि जन जागरूकता भी इस कला के माध्यम से बढ़े।

शो के आयोजक एसके इवेंट एंड एंटरटेनमेंट कंपनी की शबाना खान ने बताया कि अटल सभागार में रोजाना दो शो 4 बजे व 7 बजे दिखाए जाएंगे। शनिवार व रविवार को तीन शो होंगे जिनका समय 1 बजे, 4 बजे व 7 बजे रहेगा।

स्कूल के बच्चों के लिए भी स्पेशल शो प्रदर्शित किए जाएंगे। हर शो 2 घंटे का होगा जिसमें रहस्य, रोमांच और मनोरंजन से भरपूर दर्जनों तरह के जादू शामिल होंगे। एडवांस बुकिंग सुबह 10 बजे से ही अटल सभागार पर शुरू हो जाएगी ताकि लोगों को असुविधा ना हो।

वीबी—जी राम जी बिल 2025 ग्रामीण रोजगार में मील का पत्थर : बाबूलाल खराड़ी



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। भारतीय जनता पार्टी देहात जिला उदयपुर द्वारा विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार व आजीविका मिशन (ग्रामीण) बिल—2025 को लेकर कांग्रेस द्वारा फैलाए जा रहे भ्रम को दूर करने के उद्देश्य से सीए सर्किल, सेक्टर—14 स्थित प्रथम तल सभागार में प्रेस वार्ता आयोजित की गई।

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए जनजातीय क्षेत्रीय विकास एवं गृह रक्षा कैबिनेट मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने कहा कि विकसित भारत—जी राम जी बिल 2025 ग्रामीण रोजगार की गारंटी देने वाला ऐतिहासिक कदम है, जो श्रमिकों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को इस योजना के नाम से नहीं बल्कि भगवान राम के नाम से आपत्ति है। केंद्र सरकार ने इस योजना में व्यापक सुधार किए हैं। जहां पहले 100 दिन का रोजगार था, अब 125 दिन के रोजगार की गारंटी दी गई है। पंचायत स्तर पर पक्के निर्माण कार्यों की स्वीकृति से गांवों का विकास तेज होगा।

उदयपुर सांसद डॉ. मन्नालाल रावत ने योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि यह योजना सबका साथ—सबका विकास की भावना को साकार करती है। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी की रामराज्य की परिकल्पना से प्रेरित होकर यह बिल लाया गया है। योजना में 125 दिन का रोजगार, डायरेक्ट बैंक ट्रांसफर, साप्ताहिक भुगतान, देरी होने पर पेनल्टी, पारदर्शी जॉब कार्ड, बायोमैट्रिक उपस्थिति, रियल टाइम मॉनिटरिंग और एआई आधारित निगरानी जैसे प्रावधान किए गए हैं।

डॉ. रावत ने बताया कि हर ग्राम स्तर पर योजना तैयार कर पोर्टल पर अपलोड की जाएगी। गांवों का ए, बी और सी श्रेणी में वर्गीकरण कर संतुलित विकास सुनिश्चित किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण, स्कूल, औषधालय, भंडार गृह जैसे स्थायी निर्माण कार्यों को भी मंजूरी मिलेगी। क्षेत्रीय रोजगार को बढ़ावा मिलने से पलायन रुकेगा। केंद्र सरकार ने राज्यों का अंश 32 प्रतिशत से बढ़ाकर 42 प्रतिशत किया है। यूटी क्षेत्रों को 100 प्रतिशत, पहाड़ी क्षेत्रों को 90 प्रतिशत और अन्य क्षेत्रों को 60 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा। खेती के समय किसानों को सात दिन का अवकाश भी मिलेगा।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और विपक्षी दल इस योजना को लेकर जनता में भ्रम फैला रहे हैं, जबकि यह मनरेगा से कहीं अधिक पारदर्शी और प्रभावी योजना है। पूर्ववर्ती सरकारों में मनरेगा में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं और गबन की शिकायतें सामने आई थीं, जिनकी संख्या लगभग दस लाख तक पहुंची। अब नए प्रावधानों से भ्रष्टाचार पर रोक लगेगी, इसी कारण विपक्ष बेचैन है। पश्चिम बंगाल सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि अब पुराने तरीके नहीं चल पाएंगे। योजना के तहत रोजगार नहीं मिलने की स्थिति में प्रति माह 15 दिन का बेरोजगारी भत्ता भी दिया जाएगा।

कार्यक्रम की प्रस्तावना कार्यक्रम संयोजक घनश्याम मेनारिया ने रखी, जबकि अंत में धन्यवाद देहात जिला अध्यक्ष पुष्कर तेली ने ज्ञापित किया। इस अवसर पर देहात जिला अध्यक्ष पुष्कर तेली, देहात महामंत्री ललित सिंह सिसोदिया, भाजपा उदयपुर संभाग मीडिया प्रभारी चंचल कुमार अग्रवाल, अशोक आमेटा सहित पार्टी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

भीलान बरोठी, नवाघरा एवं कातर ग्राम पंचायतों में मनरेगा बचाओ अभियान प्रारम्भ



24 न्यूज अपडेट

खेरवाडा, विधायक डाक्टर दयाराम परमार के निर्देशन में उपखण्ड खेरवाडा की ग्राम पंचायत भीलान बरोठी,नवाघरा एवं कातर में मनरेगा बचाओं अभियान का जन सम्पर्क तथा सभाऐं आयोजित कर केन्द्र की भाजपा सरकार द्वारा महात्मा गॉधी राष्ट्रीय रोजगार गारन्टी अधिनियम बन्द करने की जानकारी हर मजदूर तक पहुंचाने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने बताया कि मनरेगा एक योजना न होकर अधिनियम है। इस अधिनियम के तहत मजदूरी के लिए आवेदन करने पर पन्द्रह दिन में रोजगार देना आवश्यक है। नहीं देने पर भत्ता देने का प्रावधान किया गया है। मनरेगा बचाओ अभियान की सभाओं की अध्यक्षता कांग्रेस नवाघरा मण्डल के अध्यक्ष वीरेन्द्र सिंह गरासिया ने की। मुख्य अतिथि पूर्व उप प्रधान सुन्दर लाल अहारी थे। सभाओं को मुख्य अतिथि अहारी, मण्डल अध्यक्ष वीरेन्द्र सिंह, भीलान बरोठी ग्राम पंचायत के प्रशासक शंभुसिंह गरासिया,नवाघरा ग्राम पंचायत की प्रशासक पुष्पा भगोरा,नानालाल ने भी सम्बोधित किया। इस मौके पर कांग्रेस पंचायत इकाई देवीसिंह, कातर ग्राम पंचायत का प्रशासक देवीसिंह,कालु सिंह, धुली देवी, नर्मदा देवी, सुगना देवी, सविता देवी, चम्पा देवी,, कल्याण, बसु उपस्थित थे। अन्त में वीरेन्द्र सिंह ने धन्यवाद व्यक्त किया।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।